अध्याय पंचम

पंचम अध्याय
सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना –

प्रथम अध्याय में 5ई के बारे में बताया गया है। 5 ई में Engage, Explore, Explain,. Elaborate, Evaluation (संलग्न, अन्वेषण, व्याख्या, विस्तृत और मूल्यांकन) करते इसमें शिक्षक की भूमिका और रणीनति स्कूलों में सामाजिक विज्ञान की स्थिति और रचनावाद को बताया गया है।

द्वितीय अध्याय में रचनावाद उपागम से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन किया गया, जिससे यह ज्ञात हुआ कि 5ई मॉडल कक्षा–7 तथा ऊपर की कक्षाओं के लिए प्रभावशाली है। अतः कक्षा 7 के लिए सामाजिक विज्ञापन विषय में प्रभाविकता जानने हेतु प्रस्तुत शोध किया गया है।

तृतीय अध्याय में विधि का अध्ययन, न्यायदर्श, उपकरण, सांख्यिकी विधि का उपयोग आधार सामग्री का विश्लेषण करने के लिए

चतुर्थ अध्याय के अन्तर्गत प्रदत्तों का विश्लेषण किया गया, जिसके लिए Mean, Percentile, Standard Deviation, Post Test का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तों के विश्लेषण उपरांत यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि सामाजिक संदर्भ में 5ई मॉडल प्रभावशाली है। अतः अन्तःक्रिया का सामाजिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं होता है।

पंचम अध्याय में सारांश प्रस्तुत किया गया है, जिससे शोध चर प्रतिदर्श, अध्ययन के उद्देश्य, परिकल्पनाऐं एवं निष्कर्ष, निहितार्थ, भावी शोध हेतु सुझाव तथा निष्कर्ष दिया गया है।

निष्कर्ष – 5ई मॉडल की प्रभाविकता का अध्ययन करने हेतु किए गए शोध से प्राप्त निष्कर्ष को बिन्दुओं में स्पष्ट किया गया है।

5.2 शोध अभिकल्प –

शोध के लिए प्रयोगात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में पोस्ट–टेस्ट, कन्ट्रोल ग्रुप डिज़ाइन का प्रयोग किया गया है।

5.3 प्रयुक्त सांख्यिकी –

मध्यमान, प्रतिश्ताक, प्रमाणिक, विचलन, पश्च परीक्षण

5.4 अध्ययन के उद्देश्य –

चयनित संगठन चर के संदर्भ में कक्षा सातवीं के सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिए 5ई मॉडल की आवश्यकता

5.5 प्रतिदर्श –

शोध कार्य के लिए शासकीय (नवीन) उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, भोपाल कक्षा–7 के 32 विद्यार्थियों को प्रारूप की तरह लेंगे।

5.6 शैक्षिक निहितार्थ –

(1) 5ई मॉडल सामाजिक विज्ञापन में शिक्षण में शिक्षकों को मदद करती है।

(2) रचनावाद या 5ई मॉडल केवल सामाजिक विज्ञापन में ही सहायक नहीं है, बल्कि विज्ञान, अंग्रेजी, गणित आदि के शिक्षण में भी सहायता प्रदान करता है।

(3) शिक्षक गतिविधि आधारित शिक्षण द्वारा विद्यार्थियों में सामाजिक विज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न कर सकता है।

(4) रचनावाद उपागम को शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयोग किया जा सकता है।

(5) प्रस्तुत शोध में लगाई गई लेखन रिपोर्ट को शिक्षकों को शिक्षण कार्य में सहायक हो सकती है।

(6) प्रस्तुत शोध में लगाई गई लेखन रिपोर्ट देखकर अन्य विषयों के शिक्षण में भी सहायता हो सकती है।

(7) 5ई मॉडल से विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान के विषय में रूचि उत्पन्न की जा सकती है।

5.7 भावी शोध हेतु सुझाव –

(1) 5ई मॉडल से कक्षा 7 सामाजिक विज्ञान विषय के अन्य विषयों पर शोध किया जा सकता है।

(2) शोध में अन्य चरों को लेकर 5ई मॉडल के प्रभाव को देखा जा सकता है।

(3) 5ई मॉडल से कक्षा 7 के अतिरिक्त अन्य कक्षाओं पर शोध किया जा सकता है।

(4) 5ई मॉडल से सामाजिक विज्ञान के अतिरिक्त अन्य विषयों पर भी प्रभाव देखा जा सकता है।

5.8 शोध का परिसीमांकन –

(1) यह परिसीमा में शोध कार्य में केवल भोपाल के बच्चों को लिया गया है।

(2) शोध कार्य में शासकीय (नवीन) उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, भोपाल के कक्षा 7 के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।

(3) 5ई मॉडल में सामाजिक विज्ञान विषय को सम्मिलित किया गया है।

5.9 शोध–अध्ययन का निष्कर्ष –

प्रस्तुत शोध अध्ययन द्वारा निष्कर्ष प्राप्त होता है कि 5ई मॉडल विद्यार्थियों की उपलब्धि पारम्परिक विधि की तुलना में अधिक बढ़ती है। अतः 5ई मॉडल शिक्षण हेतु प्रभावशाली है।